दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

सं० ग्रो०वि०/सोनीपत/68-85/49564.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० शंकर टैक्सटाईल मिल्ज, 41/4, बहालगढ़ रोड, सोनीपत, के श्रमिक श्री सोम नाथ, पुत्र मुरली तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझतें हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवित्यों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या थी सोम नाथ, पुत्र मुरली की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? सं०ग्रो०वि० | सोनीपत | 68-85 | 49571 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० गंकर टैक्सटाईल मिल्ज, 41/4, बहालगढ़ रोड, सोनीपत के श्रमिक श्री राम, पुत्र मोहन तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीडोगिक विवाद है ;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रीशोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा रिकारी ग्रिधिसूचना सं० 9641-1-श्रम/78-32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ पठित सरकारी ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उनत विवादग्रस्त मामला है या उनते विवादग्रस्त मामला है :--

वया श्री राम, पुत्र मोहन की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं. म्रो.वि:/सोनीपत/68-85/49578.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० शंकर टैक्सटाईल मिल्ज, 41/4, वहालगढ़ रोड, सोनीपत, के श्रमिक श्री केंदार मौर्य, पुत्र रामबदन मौर्य तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसके इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीचोगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप धारा.(1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 9641-1-अम/78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथपिठत सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री केंदार मौर्य, पूज रामबैंदन मौर्य की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार हैं ?

सं. ओ.वि/सोनीपत/68-85/49585:—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. शंकर टैक्सटाईल मिल्ल, 41/4, बहालगढ़ रोड, सोनीपत, के श्रीमक श्री बृजलील, पुत्र पूरत दास तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इस में इसके बाद लिखित मामने में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

THE REPORT OF SHOULD BE TO SHE WAS ASSESSED.

इस लिए, अब, औद्योगिकं विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रवान की गई जित्तवों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 9641-1-अस-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पटित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत था उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला ज्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में दैने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उनत प्रबन्धको तथा अभिक के बीच यातो विवादग्रस्त मामला है या उनत विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री बृज लाल, पुत्र पूरन दास की सेवाधों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

> जे. पी. रतन, उप सचिव, हरियाणा सरकार, अम विभाग।